<u>विश्व हिंदी दिवस 2026 के अवसर पर माननीय सुश्री नीता भूषण, उच्चायुक्त का संबोधन</u>
(09th जनवरी, 2026)

नमस्ते एवं किया ओरा!
सम्मानित अतिथिगण, प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्य,
श्रीमती विजेशनी रतन जी, प्राचार्या, वेलिंगटन हिंदी स्कूल, हिंदी विद्यालयों के सभी शिक्षकगण एवं प्रिय छात्र-छात्राएँ,
डॉ. पुष्पा वुड जी, गोपियो वेलिंगटन चैप्टर, और उपस्थित अतिथिगण,
देवियों और सज्जनों,

विश्व हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर आप सभी को संबोधित करना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और हर्ष का विषय है। आज हम यहाँ एक ऐसी भाषा का उत्सव मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं, जो केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, मूल्यों और सामूहिक पहचान की सशक्त संवाहक भी है। नए वर्ष के प्रारंभ में इस आयोजन के अवसर पर मैं आप सभी को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएँ, स्वास्थ्य, समृद्धि और सफलता की कामना के साथ प्रेषित करती हूँ।

2. यह भी एक महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि 9 जनवरी को हम प्रवासी भारतीय दिवस भी मनाते हैं। यह दिन 2003 से प्रतिवर्ष मनाया जाता है, और इस दिन का चयन हमारे प्रवासी भारतीयों को समर्पित किया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस दिन को चुना था क्योंकि 9 जनवरी 1915 को महात्मा गांधी जी दक्षिण अफ्रीका से भारत वापस लौटे थे। प्रवासी भारतीय समुदाय ने अपने नए देशों में राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संदर्भ में अपार योगदान दिया है। इस प्रक्रिया में, उन्होंने मित्रता के संबंधों को मजबूत किया और भारत तथा अन्य देशों के बीच सशक्त कड़ी बनाई है।

3. वर्तमान में, न्यूज़ीलैंड में, भारतीय प्रवासी समुदाय 3,00,000 लाख से अधिक है और वे इस देश का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं जिसे उन्होंने या उनके पूर्वजों ने अपनाया था। लेकिन, इसके बावजूद, उन्होंने अपनी जड़ों को कभी नहीं भुलाया। प्रवासी भारतीयों ने अद्वितीय रूप से अपनी परंपरा और संस्कृति को संजोकर रखा है, और वे विश्वभर में हमारे त्योहारों को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए प्रसिद्ध हैं।

4. विश्व हिंदी दिवस प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है, जो वर्ष 1975 में नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन की स्मृति में है। तब से यह दिवस विश्व भर में हिंदी की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को रेखांकित करने तथा इसे वैश्विक संवाद की भाषा के रूप में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

5. हिंदी भाषा समय के साथ निरंतर विकसित होती रही है। परंपरा में गहराई से निहित होते हुए भी, इसने आधुनिकता और नवाचार को सहजता से अपनाया है। आज हिंदी का प्रभावी उपयोग कूटनीति, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, मीडिया तथा डिजिटल मंचों पर हो रहा है। यह अनुकूलनशीलता हिंदी को नई पीढ़ियों और नए क्षेत्रों तक पहुँचाने में सहायक बनी है, जिससे बदलते वैश्विक परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता और भी सुदृढ़ हुई है।

6. भारत सरकार, विशेष रूप से विदेश मंत्रालय के माध्यम से, हिंदी के अंतरराष्ट्रीय प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयास कर रही है। विभिन्न देशों में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन एवं क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलनों ने विद्वानों, लेखकों, शिक्षाविदों एवं भाषा-प्रेमियों को विचार-विमर्श और हिंदी के नए आयामों की खोज के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया है। इन पहलों से हिंदी की वैश्विक पहचान और सशक्त हुई है।

7. हिंदी वास्तव में भारत की “विविधता में एकता” की भावना को प्रतिबिंबित करती है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और पृष्ठभूमियों के लोगों को जोड़ने की अद्भुत क्षमता है। इसकी सरलता, भावनात्मक गहराई और अभिव्यक्तिपूर्ण समृद्धि ने इसे सीमाओं से परे लोकप्रिय बनाया है। हिंदी साहित्य, सिनेमा, संगीत और कला ने विश्व भर में हिंदी के प्रभाव को व्यापक रूप से फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

8. यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि हिंदी की लोकप्रियता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर बढ़ रही है, और यहाँ न्यूज़ीलैंड में भी अधिकाधिक लोग हिंदी सीख रहे हैं और इसका प्रयोग कर रहे हैं। यह बढ़ती रुचि भारत और विश्व के बीच सुदृढ़ होते सांस्कृतिक तथा जन-जन के संबंधों का प्रतीक है।

9. आज विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर, आइए हम सभी मिलकर इस अमूल्य भाषाई धरोहर के संरक्षण, संवर्धन और भावी पीढ़ियों तक इसके प्रसार का संकल्प लें। भाषा केवल शब्दों का समूह नहीं होती, यह अतीत और भविष्य को जोड़ने वाला सेतु है और लोगों को निकट लाने का माध्यम है।

10. मैं इस अवसर पर सभी आयोजकों, हिंदी विद्यालयों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अपने सहयोगियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके अथक प्रयासों से आज का यह कार्यक्रम सफल हो पाया है। आपके समर्पण से हिंदी की उपस्थिति और सशक्त होगी तथा इसकी वैश्विक यात्रा और आगे बढ़ेगी।

एक बार पुनः आज यहाँ उपस्थित होने के लिए आप सभी का आभार।

जय हिंद!

*****